## एनजीटी ने अवैध कोयला खदान विस्फोट पर लिया स्वतः संज्ञान

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

एक अंग्रेजी अखबार में छह फरवरी को छपी 'मेघालय में अवैध कोयला खदान में धमाके से 18 की मौत' शीर्षक वाली मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की प्रधान पीठ ने पर्यावरण कानूनों के निरंतर उल्लंघन पर गंभीर चिंता व्यक्त है। यह चिंता तब व्यक्त की गयी है जब एनजीटी ने 'रैट-होल' कोयला खनन पर लंबे समय से प्रतिबंध लगा रखा है और इस प्रतिबंध को उच्चतम न्यायालय ने भी बरकरार रखा है।

अधिकरण ने मंगलवार को टिप्पणी किया कि मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में अवैध रूप से संचालित 'रैट-होल' कोयला खदान में डायनामाइट विस्फोट के कारण हुई।

यह घटना प्रथम दृष्टया में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986, वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 और भारतीय वन अधिनियम 1927 के उल्लंघन का संकेत देती है। अधिकरण ने इन आरोपों पर भी गौर किया कि मौजूदा निगरानी तंत्र के बावजूद प्रभावशाली व्यक्तियों के संरक्षण में अवैध खनन गतिविधियां लगातार जारी हैं।

इस मामले पर अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ ए सेंथिल वेल की पीठ ने विचार किया।

# कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर फिर उभरा विवाद

### हुसैन ने दावा किया कि विधायक दल में डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के समर्थन में मजबूत आवाज उठ रही है

**बेंगलुरु, एजेंसी।**

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान एक बार फिर उस समय सामने आ गयी जब पार्टी विधायक इकबाल हुसैन ने कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्दारमैया के बयान पर आपत्ति जताते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद का अवसर देने की मांग दोहरायी। हुसैन ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के पुत्र श्री यतींद्र के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस हाईकमान ने सिद्दारमैया को पूरे कार्यकाल तक मुख्यमंत्री बने रहने की अनुमति दे दी है।

हुसैन ने कहा कि इस तरह के बयान पार्टी अनुशासन के खिलाफ हैं और नेतृत्व को असहज स्थिति में डालते हैं। उन्होंने कहा, हम एक अनुशासित पार्टी हैं और हमें उसी तरह व्यवहार करना चाहिए। बार-बार अपने पिता के समर्थन में बोलना और हाईकमान को असहज करना उचित नहीं है। हुसैन ने श्री यतींद्र को सार्वजनिक बयानबाजी में संयम बरतने की सलाह दी। हुसैन ने दावा किया कि विधायक दल में डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के समर्थन में मजबूत आवाज उठ रही

है। उनके अनुसार 80 से 90 कांग्रेस विधायकों ने शिवकुमार के नाम की सिफारिश पार्टी हाईकमान से की है। उन्होंने कहा, हमने फैसला हाईकमान पर छोड़ दिया है। 80-90 विधायकों ने अनुरोध किया है कि श्री डीके शिवकुमार को मौका दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कई विधायक भ्रम की स्थिति से बचने के लिए सार्वजनिक रूप से चुप हैं, लेकिन निजी तौर पर इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। हुसैन ने यह भी कहा कि निजी संबंधों का असर राजनीतिक फैसलों पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, हर पिता अपने बेटे से और हर बेटा अपने पिता से प्रेम करता है, लेकिन राजनीति में अनुशासन जरूरी है। विधायक ने स्पष्ट किया कि सरकार के गठन के पहले दिन से ही वह श्री शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाए जाने के पक्ष में रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि श्री शिवकुमार को इसी कार्यकाल में अवसर मिले। कांग्रेस एमएलसी चन्नराजा हत्तिहोली ने भी श्री शिवकुमार को नेतृत्व का मौका दिए जाने का समर्थन किया।

नवंबर 2025 से ही कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें जारी हैं, जब सिद्दारमैया सरकार अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के मध्य बिंदु के करीब पहुंची थी। श्री सिद्दारमैया और श्री शिवकुमार के अलावा गृह मंत्री जी. परमेश्वर को भी संभावित दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। पिछले सप्ताह यतींद्र सिद्दारमैया ने कथित तौर पर कहा था कि हाईकमान ने श्री सिद्दारमैया को पूरा कार्यकाल जारी रखने की अनुमति दे दी है।

## एक नजर

### मिजोरम का बजट 26 फरवरी को पेश होगा

**आइजोल,एजेंसी।** मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा 2026-27 वित्तीय वर्ष का वार्षिक बजट 26 फरवरी को विधानसभा में पेश करेंगे। मुख्यमंत्री लालदुहोमा वित्त मंत्रालय भी संभाल रहे हैं, बजट सत्र 17 फरवरी से शुरू होकर 16 मार्च तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष लालबियाकजामा ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम मंगलवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की दूसरी बैठक में तय किया गया।

पहले 5 फरवरी की बैठक में बजट पेश करने की तारीख 19 फरवरी निर्धारित की गई थी। लेकिन वित्त विभाग की तैयारियां पूरी न होने के संकेत के बाद तारीख में बदलाव किया गया। सत्र पहले 12 मार्च को समाप्त होना था, लेकिन अब इसे चार दिन बढ़ाकर 16 मार्च तक कर दिया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह 17 फरवरी को नौवीं मिजोरम विधानसभा के छठे सत्र के उद्घाटन दिवस पर अभिभाषण देंगे। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव 18 फरवरी को लिया जाएगा और उसी दिन इसके पूरा होने की संभावना है।

### प्रियांक खरगे ने सावरकर को भारत रत्न देने की मांग पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली,एजेंसी।** कांग्रेस नेता और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की कड़ी आलोचना की। उन्होंने तर्क दिया कि उनके विचार में जिसने 'भारत के खिलाफ काम किया' वह देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान का हकदार नहीं है। खरगे ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए इस मांग की आलोचना के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का सहारा लिया।

उन्होंने सवाल किया कि अंग्रेजों से बार-बार माफी मांगने वाले श्री सावरकर को राष्ट्रीय स्तर पर क्यों सम्मानित किया जाना चाहिए। मंत्री ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल का जिक्र करते हुए कहा कि हालांकि दशकों तक हजारों स्वतंत्रता सेनानी वहां कैद रहे लेकिन केवल कुछ ही लोगों ने दया याचिकाएं दायर की और श्री सावरकर ने सबसे अधिक याचिकाएं दायर की थीं।

## लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष एवं स्वस्थ संवाद जरूरी: पायलट

**टोंक, एजेंसी।**

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष एवं स्वस्थ संवाद जरूरी बताते हुए कहा है कि मजबूत विपक्ष स्वस्थ लोकतंत्र की बहुत बड़ी जरूरत है लेकिन आज जो टकराव एवं दमन की राजनीति उत्पन्न हो गई है, यह लोकतंत्र में सही नहीं है। पायलट मंगलवार को यहां अपने पिता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट की जयंती पर श्री भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति के सहयोग से टोंक में आयोजित ''निःशुल्क दिव्यांग सामग्री वितरण शिविर'' के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग विचारधारा के लोग चुनाव लड़ते हैं लेकिन आज चुनाव लड़ना, प्रतिस्पर्धा होना नफरत में तब्दील होता जा रहा है। एक-दूसरे में प्रति राजनीति में जो घृणा एवं तनाव पैदा हो गया है, वो कोई शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र में यदि सब दुश्मन बन जायेंगे तो सहमति कैसे बनेगी। उन्होंने कहा कि आज जो संसद में हो रहा है, इससे सभी भली-भांति परिचित है। हमारे लोकतंत्र की परम्परा रही है कि आलोचना करना, आईना दिखाना, सवाल पूछना, मापदण्ड तय करना, जिम्मेदारी तय करना यह विपक्ष का काम रहा है।

मजबूत विपक्ष स्वस्थ लोकतंत्र की बहुत बड़ी जरूरत है लेकिन आज जो टकराव एवं दमन की राजनीति उत्पन्न हो गई है, यह लोकतंत्र में सही नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सभी के मन में यह भाव रहता है कि गरीब, असहाय लोगों की मदद किस प्रकार से की जाये परन्तु कई बार यह भावना मूर्त रूप नहीं ले पाती। बहुत ही कम लोग ऐसे होते हैं जो इस भावना को साकार रूप प्रदान करते है। श्री भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति ऐसी ही एक संस्था है जिसने अनेकों अक्षम लोगों को अपने पैरों पर खड़ा कर मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है।

पायलट ने राजेश पायलट को याद करते हुए कहा कि पायलट साहब ने अपने जीवन में ऐसी छाप छोड़ी है कि एक गरीब परिवार का व्यक्ति जिसके पास कुछ ना हो, वो अपनी मेहनत और लगन से बहुत ऊचाईयां हासिल कर सकता है। उन्होंने सदैव यह सीख दी कि जिनके बीच हम रहते हैं, जो लोग हमसे जुड़े हुए हैं, उन्हें हमेशा साथ लेकर बढ़ना चाहिए।

एक पुरानी कहावत है 'जिस पेड़ की जड़े गहरी नहीं होती, वह ऊंचा नहीं उठ सकता'।

## आंध्र प्रदेश को अग्रणी कृषि मॉडल बनाने पर सहमति

**नई दिल्ली,एजेंसी।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस दौरान आंध्र प्रदेश को देश का एक अग्रणी कृषि-विकास मॉडल बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए 'वैल्यू चेन' (मूल्य श्रृंखला) विकसित करने पर सहमति बनी। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने 'विकसित भारत जी-राम-जी' योजना के लिए सबसे पहले बजट आवंटित करने पर मुख्यमंत्री नायडू को बधाई देते हुए इसे एक दूरदर्शी पहल बताया।

## सुनेत्रा पवार ने संभाला महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री का पदभार

**मुंबई, एजेंसी।**

श्रीमती सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को मुंबई स्थित मंत्रालय में महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण किया। वह राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनी हैं। 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में उनके पति एवं उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद 31 जनवरी को उन्हें पद की शपथ दिलायी गयी थी। पदभार ग्रहण करते समय उनके साथ पुत्र पार्थ पवार, वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल, श्री सुनील तटकरे, श्री छगन भुजबल सहित पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे।

अपने पहले आधिकारिक दिन की शुरुआत श्रीमती सुनेत्रा पवार ने मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना कर की। इसके बाद उन्होंने मध्य मुंबई के दादर स्थित चैत्यभूमि पहुंचकर भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संविधान निर्माता की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित कर कुछ क्षण मोन भी रखा। वह बाद में मुंबई स्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) कार्यालय पहुंचीं, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पति अजीत पवार को श्रद्धांजलि दी। समर्थकों ने नारे लगाकर उनके प्रति समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। हाल ही में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में श्रीमती पवार को राज्य उत्पाद शुल्क, खेल और अल्पसंख्यक विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

## भारत और सेशेल्स स्वतंत्र, सुरक्षित हिंद महासागर के लिए प्रतिबद्ध

**आदित्य विक्रम सिंह**

नई दिल्ली, मेट्रो मीडिया। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की 10 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में सेशेल्स गणराज्य के विदेश और प्रवासी मामलों के मंत्री बैरी फॉरे और सेशेल्स रक्षा बल प्रमुख मेजर जनरल माइकल एंसेल्मे मार्क रोसेट से मुलाकात हुई।

बैठक में दोनों पक्षों ने भारत और सेशेल्स के बीच बढ़ते रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग की समीक्षा की और रक्षा सहयोग सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों पक्षों ने भारतीय और सेशेल्स रक्षा बलों के बीच आगामी संयुक्त सैन्य अभ्यास लैमिटी - 2026 तथा क्षमता निर्माण पहल का स्वागत किया और इन गतिविधियों के दायरे विस्तृमत करने और गहन बनाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों के बीच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, जलविज्ञान, पोत और विमानों के एक दूसरे के यहां आवागमन, रक्षा प्रतिनिधिमंडल के दौरे और समुद्री सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा हुई।

## शहरी निकायों की मूलभूत जरुरतों पर रहेगा फोकस: उत्तम कुमार रेड्डी

**हैदराबाद,एजेंसी।** तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार शहरी स्थानीय निकायों की मूलभूत सामुदायिक जरूरतों को प्राथमिकता देगी। रेड्डी ने बुधवार को होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए एक सप्ताह तक चले अपने व्यापक प्रचार अभियान का समापन किया। इस दौरान उन्होंने सूर्यापेट जिले और निजामाबाद संसदीय क्षेत्र के विभिन्न शहरी निकायों का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि अब तेलंगाना की एक-तिहाई से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करती है, इसलिए शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना अनिवार्य है।

## चंद्रबाबू ने पाटिल से पोलावरम परियोजना पर रोक को रद्द करने का किया आग्रह

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को नयी दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की और उनसे पोलावरम परियोजना पर लगाए गए कार्य निषेध आदेश को स्थायी रूप से यह कहते हुए रद्द करने का अनुरोध किया कि इससे परियोजना के सुचारू क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न हो रही है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि ये परियोजनाएं राज्य के हितों की रक्षा करने, किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने और आंध्र प्रदेश के लिए पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से मिलने वाली सहायता एवं अंतरराज्यीय नदी जल विवादों के समाधान से संबंधित लंबित मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने पोलावरम की दाहिनी एवं बाईं ओर की मुख्य नहरों की क्षमता बढ़ाने के कारण बढ़ी हुई लागत की प्रतिपूर्ति की मांग की और पोलावरम चरण-II के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता की अपील की, जिसमें भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास तथा सुरक्षात्मक तटबंधों का निर्माण शामिल है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि अकेले दूसरे चरण के लिए लगभग 32,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने पोलावरम-नल्लामाला सागर लिंक परियोजना का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य गोदावरी नदी के अतिरिक्त बाढ़ के पानी को सूखाग्रस्त क्षेत्रों की ओर मोड़ना है। उन्होंने इस परियोजना को एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा बताया जो पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करेगी और राष्ट्रीय नदी लिंकिंग नीति के अंतर्गत तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ-साथ अनुमोदन का अनुरोध किया।

**उत्तर रेलवे**

**खुली निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता/प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता/पानीपत के अंतर्गत एसएसई/ डब्ल्यू/पानीपत खंड में SFDE स्टेशन पर वस्तुओं के गोदाम, व्यापारी कक्ष, श्रमिक कक्ष, पहुँच मार्ग और परिसंचारी क्षेत्र में सुधार और अन्य विविध कार्य। | |
| 2. | **अनुमानित लागत :** रु. 2,85,46,043.55/- | |
| 3. | **धरोहर राशि :** रु. 2,92,700/-<br>बयाना राशि केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के रूप में होनी चाहिए।<br>**नोटः** – एफ.डी.आर या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ई.एम.डी. स्वीकार नहीं की जाएगी। रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई-1 /सीटी/5/1 दिनांक 31/08/2016 के अनुसार आई.आर.ई.पी.एस. पर आमंत्रित निविदा के लिए। | |
| 4. | **समापन अवधी :** 12 महीने | |
| 5. | **ई-निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय** | 06.03.2026 को 15:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 06.03.2026 को 15:00 बजे। |
| 6. | **निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है** | **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। |
| 7. | **सामान प्रकार के कार्य** | ट्रैक काम के अलावा कोई भी सिविल कार्य। |

**नोट** :– शपथ पत्र संलग्नक–XXIV अनिवार्य रूप के रूप में निविदा शर्तों के साथ संलग्न नए प्रारूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। और सभी संलग्न दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा स्वयं सत्यापित किया जाना चाहिए। **पत्र संख्या :– 128–डब्लू/280/निविदा सूचना/25–26/डब्लू–I (NIT-45) दिनांक :– 09.02.2026** **446/2026**

**ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ**

## मशहूर शायर ताहिर फ़राज़ की याद में मुशायरा

**तालिब हुसैन**

**जबलपुर,मेट्रो मीडिया।** किसी को खोने का गम भी अजीब होता है, आंखें रोतीं नहीं, दिल रोज़ मरता है. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर धूम मचाने वाले शायर ताहिर फ़राज़ अब इस दुनिया में नहीं है। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने जबलपुर में अपनी शायरी से हजारों लोगों की दाद बटोरी थी।

लेकिन किसे मालूम था यह उनकी ज़िंदगी का आख़िरी सफ़र है। साहित्यिक अदबी संस्था हम सब द्वारा ताहिर फ़राज़ को ख़िराजे अकीदत देने मुशायरे का आयोजन किया गया। मुशायरे के सूत्रधार सुप्रसिद्ध युवा शायर मन्नान फ़राज़ ने बताया कि इस मुशायरे में देश दुनिया में धूम मचाने वाले कई शायरों व कवियों ने मुशायरे को रौनक बख़्शी। पूर्व केबिनेट मंत्री विधायक लखन घनघोरिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहें। जबलपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी मुहम्मद कदीर सोनी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. निज़ामत मन्नान फ़राज़ ने की।

उन्होंने कहा- इतनी खामोशी जमा कर ली है सीने में, अब अगर बोलूं तो रिश्ते बिखर जायेंगे। वो खुदा क्या हुए दुनिया से, कई दिलों की धड़कनें भी साथ चली गयीं. इन अशआर को सुनने वाले गम में डूब गए। मुशायरे में हामिद भुसालवी, उमर आज़मी, सरफ़राज़ मासूम, तारिफ़ निज़ामी, एस.एम. सिराज व डॉ. दीप शिखा ने मेहफ़िल को परवान चढ़ाया। इसके बाद स्थानीय शायर इरफ़ान झांसवी, विनोद नयन, सिराज आगज़ी, डॉ. रानू राही, जावेद नाज़, विवेक गुप्ता सहर,अशोक झारिया शफ़क़, नवाब कौसर और रिज़वान हकीमी ने अपने कलामों से लोगों की वाहवाही लूटी. मुशायरे को कामयाब बनाने में डॉ. प्रशांत मिश्रा की अहम भूमिका निभाई।

## मिजोरम ने अफ्रीकी स्वाइन फीवर को राज्य-विशिष्ट आपदा किया घोषित

**आइजोल, एजेंसी।**

मिजोरम के पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री सी. लालसाविवुंगा ने मंगलवार को बार-बार होने वाली बीमारियों के प्रकोप से बुरी तरह प्रभावित पशुपालकों के लिए एक बड़ी राहत की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने 'अफ्रीकी स्वाइन फीवर' (एएसएफ) के प्रकोप को 'राज्य-विशिष्ट आपदा' घोषित कर दिया है। इससे प्रभावित सुअर पालकों को मुआवजा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मंत्री ने यह घोषणा मिजोरम में पहली बार 'पशु बीमा योजना' का औपचारिक आरंभ करते हुए की। इस योजना की शुरुआत 'नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' और पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के सचिव लालसांगलियाना के बीच मंत्री की उपस्थिति में एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर के साथ हुई। लालसाविवुंगा ने कहा कि जब 2021 में राज्य में एएसएफ का प्रकोप हुआ, तब मिजोरम सूअर के मांस उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की कगार पर था।

**Nidhi Services Limited**

Regd. Off : 5/19-B, Roop Nagar, Delhi – 110007
Tel.: 011-43215145, Mobile: 09811021216
CIN: L65999DL1984PLC018077
E-mail: nidhiservicesltd@gmail.com

**UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED 31ST DECEMBER, 2025**

Pursuant to Regulation 33 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulation, 2015, based on the recommendations of the Audit Committee, the Board of Directors of Nidhi Services Limited ('the Company') at its meeting held on 09TH February, 2026 has approved the Unaudited Financial Results for the quarter ended on 31st December, 2025 along with Limited review report issued by the Statutory Auditors of the Company.

The aforementioned financial results along with the Limited review report of the Statutory Auditors thereon are available on www.nidhiservicesltd.com and the said financial results can also be accessed by scanning a Quick Response (QR) code given below:

For Nidhi Services Limited
Sd/-
Udit Agarwal
Whole Time Director
DIN: 00239114

Place: Delhi
Date: 09TH February, 2026

**राजनीति** सदन को गुमराह करने के मामले में उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी ने भाजपा विधायक से मांगा इस्तीफा

# उमर ने भाजपा विधायक के 'रोपवे' 'मंजूरी आरोप को किया खारिज

**सतीश वर्मा**

**जम्मू,मेट्रो मीडिया।** कटरा के तारा कोट मार्ग से सांझी छत तक 12 किलोमीटर लंबे बनने वाले 'रोप वे' का विवाद फिलहाल थमता दिखाई नहीं देता है। जम्मू से विधानसभा में जारी बजट सत्र के दौरान श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र से विधायक बलदेव राज शर्मा ने कहा था कि इस परियोजना को उमर अब्दुल्ला सरकार में मंजूरी दी।

इसके बाद आज मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में बयान दिया कि उन्होंने सरकारी रिकॉर्ड चेक किए हैं, जिससे साफ जाहिर होता है कि उनकी सरकार में इस परियोजना को मंजूरी नहीं दी है और न ही प्रशासनिक परिषद की ओर से इसे मंजूरी मिली है। इस परियोजना को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बयान के बाद उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र कुमार चौधरी ने भाजपा विधायक बलदेव शर्मा पर तीखे हमले करते हुए कहा कि विधायक बलदेव राज शर्मा ने गलत तथ्य देकर सदन को गुमराह किया है, इसलिए उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। मालूम होगी कटरा के तारा कोटे से सांझी छत तक बनने वाली करीब ढाई सौ करोड रुपए लागत वाली इस परियोजना का कटरा के घोड़े, पिट्ठू-पालकी वालों से लेकर कटरा बाजार के कारोबारी भी एक अरसे से प्रबल विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस रोपवे के बन जाने से उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा और उनका जीवन दूभर हो जाएगा। जबकि

इस विधानसभा क्षेत्र; श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बलदेव राज शर्मा का कहना है कि इस परियोजना के मद्देनजर केवल कटरा अथवा जम्मू को ना देखा जाए बल्कि श्री मां वैष्णो देवी का तीर्थ स्थल देश भर के श्रद्धालुओं के लिए है। विकलांग तथा बुजुर्ग जो चल नहीं पाते, उनकी सुविधा के लिए परियोजना को अमल में लाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने 'रोप वे' के कारण प्रभावित होने वाले सभी लोगों के लिए पुनर्वास का भरोसादिया है। उपराज्यपाल द्वारा गठित उच्च स्तरीय कमेटी ने हित धारकों से बातचीत करके उनकी चिंताओं का निवारण किया है। उन्होंने दावा किया कि इस परियोजना के खिलाफ आंदोलन चला रहे लोगों की ओर से उन्हें जान से मारने तथा संपत्ति को जलाने की धमकी दी है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यदि उनके साथ ऐसी कोई भी अप्रिय घटना होती है तो उसके लिए उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र कुमार चौधरी जिम्मेदार होंगे। बल्कि उनकी सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की अनुमति के बिना 'रोप वे' विस्थापित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार विशेष का रूप मुख्यमंत्री कटरा के आंदोलनकारी को विनोद प्रदर्शनों के लिए भड़का रहे हैं। भाजपा विधायक बलदेव राज शर्मा ने यहां विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए 14 अगस्त 2025 के उस आदेश को पढ़कर सुनाया, जिसमें सरकार की ओर से इस परियोजना के लिए मंजूरी दी गई थी। इस पर आज मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सदन को बताया कि जब उन्होंने इस बाबत रिकॉर्ड खंगाले तो यह साफ हो गया कि सितंबर 2024 में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की कटरा यात्रा के दौरान उक्त प्रस्ताव रखा गया था, जिसे सक्षम अधिकारी होने के नाते उन्होंने मंजूरी दी थी। यह मंजूरी उनकी सरकार गठन से एक माह पहले दी गई थी और सरकार का इससे कुछ लेना देना नहीं है।